# जर्मनी के कॉन्सुलेट जनरल ने इंदौर-पीथमपुर की औद्योगिक क्षमता का किया अवलोकन

**नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः** जर्मनी के कॉन्सुलेट जनरल क्रिस्टोफ हॉलियर ने इंदौर और पीथमपुर क्षेत्र के दो दिवसीय दौरे के दौरान औद्योगिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की क्षमताओं का अवलोकन किया। उन्होंने यहां विकसित औद्योगिक अधोसंरचना, निवेश संभावनाओं और आधुनिक विनिर्माण इकाइयों की जानकारी प्राप्त की।

पीथमपुर में उन्होंने महले आनंद थर्मल सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड की उत्पादन इकाई का भ्रमण किया तथा वहां की निर्माण प्रक्रिया और तकनीकी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इसके बाद इंदौर स्थित इंफोबीन्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का दौरा कर आईटी क्षेत्र में हो रहे नवाचारों और सेवाओं की जानकारी ली।

एमपीआईडीसी इंदौर के कार्यकारी संचालक हिमांशु प्रजापति ने उन्हें इंदौर-पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र की विशेषताओं, लॉजिस्टिक्स नेटवर्क, निवेश अवसरों और कुशल मानव संसाधन की उपलब्धता से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि यह क्षेत्र उद्योगों के लिए अत्यंत अनुकूल वातावरण प्रदान करता है।

दौरे के दौरान क्रिस्टोफ हॉलियर ने इंदौर की सांस्कृतिक विरासत का भी अवलोकन किया। उन्होंने राजवाड़ा और लालबाग पैलेस का भ्रमण कर शहर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान की सराहना की।

उन्होंने कहा कि भारत और जर्मनी के बीच औद्योगिक और आर्थिक सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है। इंदौर-पीथमपुर क्षेत्र में विनिर्माण, ऑटोमोबाइल और आईटी उद्योगों के लिए बड़ी संभावनाएं हैं, जो भविष्य में विदेशी निवेश को आकर्षित कर सकते हैं। यह दौरा मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास और अंतरराष्ट्रीय निवेश सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

# महिला आयोग ने जेल में की पुनर्वास सुविधाओं की समीक्षा

**नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः** राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा यादव ने केंद्रीय जेल भोपाल का निरीक्षण कर महिला बंदियों के पुनर्वास, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सुधार गृह केवल दंड का स्थान नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और पुनर्वास का केंद्र होना चाहिए। निरीक्षण के दौरान आयोग ने महिला वार्ड, चिकित्सालय, रसोईघर, पुस्तकालय, सांस्कृतिक कक्ष, आर्ट एवं क्राफ्ट सेंटर तथा ब्यूटी पार्लर का अवलोकन किया। महिला बंदियों द्वारा प्रस्तुत भजन और ऑर्केस्ट्रा की भी सराहना की गई। अध्यक्ष ने कहा कि ऐसे प्रयास बंदियों के आत्मविश्वास और सामाजिक पुनर्स्थापन में सहायक हैं। महिला बंदियों से संवाद कर उनकी दिनचर्या, स्वास्थ्य सेवाओं और कौशल विकास कार्यक्रमों की जानकारी ली गई। आयोग ने उनके द्वारा बनाए गए हस्तशिल्प उत्पादों की भी सराहना की। अधिकारियों ने बताया कि आयोग का उद्देश्य महिला बंदियों को सम्मानजनक जीवन और पुनर्वास के अवसर उपलब्ध कराना है।

## मध्यप्रदेश के कौशल विकास की बड़ी उपलब्धि

# अजय का चयन भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए

**नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः** मध्यप्रदेश के युवा प्रतिभागी अजय अहिरवार ने इंडिया स्किल्स नेशनल कॉम्पिटिशन 2025-26 में ब्रिक लेइंग स्किल में स्वर्ण पदक प्राप्त कर प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन वर्ल्ड स्किल्स कॉम्पिटिशन 2026 के लिए हुआ है, जो सितंबर 2026 में शंघाई, चीन में आयोजित होगा।

इसके साथ ही अजय अहिरवार का चयन ग्लोबल स्किल्स चैलेंज 2026 के लिए भी हुआ है, जिसका आयोजन जून 2026 में ऑस्ट्रेलिया में किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में वे भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। वर्तमान में वे कानपुर में उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त कर आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रहे हैं।अजय की यह उपलब्धि प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत मानी जा रही है।

सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत, लगन और कौशल के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और अंतरराष्ट्रीय मंच तक अपनी पहचान बनाई। राज्य कौशल विकास एवं रोजगार निर्माण बोर्ड द्वारा उनकी तैयारी के लिए विशेष वित्तीय सहायता भी प्रदान की जा रही है, जिससे वे बेहतर प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें।मध्यप्रदेश सरकार द्वारा कौशल विकास को बढ़ावा देने के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिखाई दे रहे हैं। राज्य के युवा विभिन्न कौशल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

## भोपाल में बुद्ध अवशेषों का भव्य स्वागत

# वैश्विक बौद्ध संबंधों को नई मजबूती

**नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः** भगवान गौतम बुद्ध के परम शिष्यों श्री सारिपुत्र एवं श्री महामोद्गलायन के पवित्र अस्थि अवशेष मंगोलिया के दस दिवसीय आध्यात्मिक प्रवास के उपरांत भोपाल स्थित राजा भोज विमानतल पर लौट आए। इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं और गणमान्य अतिथियों ने पुष्पवर्षा कर पवित्र अवशेषों का स्वागत किया। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध के करुणा, शांति और वैश्विक बंधुत्व के संदेश को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना के साथ विश्वभर में आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रयास भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक पहचान दिला रहा है।

संस्कृति विभाग के अपर मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ला ने बताया कि मंगोलिया के गंदन मठ में आयोजित प्रदर्शनी के दौरान लगभग एक लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र अवशेषों के दर्शन किए और श्रद्धांजलि अर्पित की। यह यात्रा भारत और मंगोलिया के बीच सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक संबंधों को और मजबूत करने में महत्वपूर्ण साबित हुई है।

महाबोधि सोसायटी, साँची के बान गल उप तिस्स नायक थेरो ने भारत सरकार और मध्यप्रदेश शासन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयासों से विश्वभर के बौद्ध अनुयायियों को दुर्लभ आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त हो रहे हैं। 28 मई को ये पवित्र अवशेष भोपाल से मंगोलिया भेजे गए थे और दस दिवसीय प्रदर्शनी के बाद पुनः भारत लाए गए। कार्यक्रम के अंत में प्रतिनिधिमंडल ने अवशेषों को महाबोधि सोसायटी और जिला प्रशासन रायसेन को सौंपा। इस आयोजन को भारत की बौद्ध सांस्कृतिक धरोहर के वैश्विक विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

# मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना का छत्तीसगढ़ अधिकारियों के दल ने किया अध्ययन

**नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः** छत्तीसगढ़ स्टेट सिविल सप्लाई कार्पोरेशन के अधिकारियों के एक दल ने मध्यप्रदेश में लागू 'मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना' का अध्ययन किया। यह दल योजना के क्रियान्वयन, परिवहन व्यवस्था, आईटी आधारित मॉनिटरिंग प्रणाली और विभागीय समन्वय की जानकारी लेने के लिए भोपाल पहुंचा।

**रोजगार और सप्लाई व्यवस्था का सफल मॉडल**

खाद्य संचालनालय में आयोजित बैठक के दौरान अपर संचालक खाद्य एच.एस. परमार ने योजना पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत बेरोजगार युवाओं को खाद्यान्न परिवहन का कार्य सौंपकर उन्हें रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। लगभग 900 परिवहनकर्ताओं के माध्यम से यह व्यवस्था संचालित हो रही है।

योजना में 7.5 मीट्रिक टन क्षमता वाले वाहन मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के अंतर्गत उपलब्ध कराए गए हैं। राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक वाहन पर 1.25 लाख रुपये मार्जिन मनी और 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान दिया जा रहा है। इन वाहनों के माध्यम से प्रतिमाह बड़ी मात्रा में राशन सामग्री का सुचारु परिवहन किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि वाहनों की जीपीएस आधारित मॉनिटरिंग स्टेट लेवल कमांड कंट्रोल सेंटर से की जाती है, जिससे पारदर्शिता और निगरानी सुनिश्चित होती है। छत्तीसगढ़ के अधिकारियों ने इस मॉडल को रोजगार सृजन और सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में एक प्रभावी नवाचार बताया।

# हायर सेकंडरी द्वितीय परीक्षा 2026 का परिणाम आज

**शाम 4 बजे जारी होगा परीक्षा परिणाम, वेबसाइट पर देख सकेंगे रिजल्ट**

**भोपाल :** माध्यमिक शिक्षा मंडल, मप्र, भोपाल द्वारा आयोजित हायर सेकंडरी द्वितीय परीक्षा वर्ष-2026 का परीक्षा परिणाम 12 जून 2026 को घोषित किया जाएगा। यह परिणाम शाम 4 बजे जारी किया जाएगा। परीक्षार्थी अपना परीक्षा परिणाम मंडल की आधिकारिक वेबसाइट mpbse.mponline.gov.in पर जाकर देख सकेंगे।

# पुलिस ने साइबर तकनीक से 1136 मोबाइल बरामद किए

**नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः** मध्यप्रदेश पुलिस ने साइबर तकनीक और सीईआईआर पोर्टल की मदद से विगत एक माह में 1136 गुम एवं चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को वापस लौटाए हैं। इन मोबाइलों की कुल अनुमानित कीमत लगभग 2 करोड़ 18 लाख रुपये बताई गई है। इस अभियान में प्रदेश के विभिन्न जिलों की पुलिस इकाइयों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

इंदौर क्राइम ब्रांच ने 230 मोबाइल फोन बरामद कर लौटाए, जबकि भंवरकुआं और विजय नगर थाना पुलिस ने मिलकर चोरी के मामलों का खुलासा करते हुए मोबाइल सहित अन्य सामग्री जब्त की। दमोह पुलिस ने 'गुम मोबाइल खोज अभियान' के तहत 208 मोबाइल बरामद किए। शिवपुरी पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण से 120 मोबाइल ट्रेस कर वापस लौटाए।

खण्डवा पुलिस ने 'ऑपरेशन सहयोग' के तहत कई राज्यों से 151 मोबाइल फोन बरामद किए। भोपाल जीआरपी और हनुमानगंज पुलिस ने संयुक्त रूप से 60 मोबाइल बरामद कर नागरिकों को सौंपे। अशोकनगर साइबर सेल ने 120, धार पुलिस ने 124, छतरपुर पुलिस ने 48, सिवनी पुलिस ने 20 और अनूपपुर पुलिस ने 25 मोबाइल बरामद किए।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह सफलता आधुनिक तकनीक, साइबर विशेषज्ञता और अंतरराज्यीय समन्वय का परिणाम है। सीईआईआर पोर्टल और डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम की मदद से गुम मोबाइलों की पहचान और बरामदगी आसान हुई है। इस अभियान से नागरिकों में पुलिस के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है।

सरकार का कहना है कि भविष्य में भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे ताकि आमजन की संपत्ति सुरक्षित रहे और साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके। यह पहल तकनीक आधारित पुलिसिंग की दिशा में मध्यप्रदेश की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

# पुलिस मुख्यालय के चर्चे...

• डॉ. शिशिर उपाध्याय

## • समझाइश माननीय को, सजा अफसर को...

मध्यप्रदेश की गलियों से लेकर गलियारों तक इन दिनों एक ही किस्सा तैर रहा है। ग्वालियर-चंबल के एक माननीय पुत्र मोह में ऐसे बहके कि स्थानीय पुलिस अधिकारी को खरी-खोटी सुना डाली। सत्ता और संगठन ने भी फुर्ती दिखाई, माननीय को समझाइश दी, फटकार लगाई और माफी तक मंगवा ली। संदेश गया कि कानून और अधिकारियों का सम्मान सर्वोपरि है। लेकिन कुछ ही दिनों बाद तबादला सूची आई और संबंधित अधिकारी का नाम उसमें चमक उठा। अब लोग मुस्कराकर बस इतना कह रहे हैं- फटकार किसी को मिली, सजा किसी और को।

## • साहब की फरमाइशें, स्टाफ की परीक्षाएं...

राजधानी से लगे जिले के कप्तान साहब इन दिनों अपराध से कम और फरमाइशों से ज्यादा परेशान बताए जा रहे हैं। ऊपर बैठे एक बड़े साहब को एक खास इलाके की एक खास चीज इतनी पसंद है कि रोज नई डिमांड आ जाती है। फरमाइशें पूरी करते-करते क्षेत्र का स्टाफ हलकान है। शिकायत कप्तान साहब तक पहुंची तो उन्होंने भी ऐसा चेहरा बनाया, मानो वे भी इसी व्यवस्था के शिकार हों। आखिर ऊपर वाले की पसंद, नीचे वालों की मजबूरी बन ही जाती है।

## • फार्महाउस की सुरक्षा, मानो सीमा की तैयारी...

राजधानी से करीब 500 किलोमीटर दूर तैनात एक साहब का मन भले ड्यूटी स्थल पर हो, लेकिन चिंता राजधानी वाले फार्महाउस और आलीशान निवास की ज्यादा रहती है। बरसात आने से पहले ऐसी तैयारियां करवाई जा रही हैं कि देखने वाला समझे कोई मौसम नहीं, बड़ा अभियान आने वाला है। कुछ कर्मचारियों की ड्यूटी भी वहीं लगा दी गई है। मगर साहब की यह व्यवस्था कुछ साथियों को हजम नहीं हो रही, इसलिए अब फार्महाउस की तैयारियों से ज्यादा उसकी चर्चाएं उड़ान भरने लगी हैं।

## • खेल किसी का, वनवास किसी का...

राजधानी में लंबे समय तक मलाईदार पदों पर रहे एक साहब जब भ्रष्टाचार रोकने वाले विभाग पहुंचे तो अपने ही साथियों की ऐसी चाल में फंस गए कि कहावत फिर सच साबित हो गई- करें कोई, भरे कोई। नतीजा यह हुआ कि साहब को बनवास भुगतना पड़ा। लंबी प्रतीक्षा के बाद राजधानी वापसी हुई, लेकिन स्वागत से पहले ही कुछ पुराने खिलाड़ी फिर नई बिसात बिछाने में जुट गए हैं।

## • अपराध रोकें या परीक्षा दें...

प्रदेश में नई चर्चा यह है कि अब अपराध नियंत्रण के साथ-साथ अधिकारियों को नियमित परीक्षा भी देनी होगी। ऐसे में कई साहब दुविधा में हैं कि रात गश्त में बिताएं या किताबों के बीच। अपराधी पकड़ें या प्रश्नपत्र हल करें। फिलहाल दोनों मोर्चों पर पास होने की चुनौती सामने है।

## • जहां भी जाते हैं, वहीं टकरा जाते हैं...

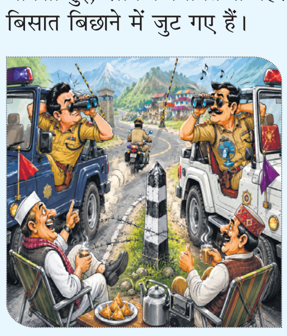

दो सीमावर्ती जिलों में पदस्थ दो समकक्ष अधिकारियों की दोस्ती और फिर दूरी अब चाय की दुकानों तक पहुंच गई है। कभी एक जिले में दोनों की जोड़ी मिसाल मानी जाती थी, लेकिन वक्त बदला और रास्ते अलग हो गए। किस्मत का खेल देखिए, नई पोस्टिंग भी ऐसे जिलों में हुई कि आमना-सामना टल ही नहीं पाता। मिलने पर मुस्कान कम और लोगों की जुबान पर यही गीत ज्यादा सुनाई देता है- जहां भी जाते हैं, वहीं चले आते हो।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादकः डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादकः अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com ( * समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com